Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding demand to declare the Death Anniversary of Dr.B.R.Ambedkar on 6th December as a National Holiday

***mo1 श्री गिरीश चन्द्र (नगीना)**: माननीय सभापति महोदय जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, मैं आपका आभार प्रकट करता हूं।

विगत 6 दिसम्बर को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का 66वां परिनिर्वाण दिवस था। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी को न केवल अपने देश भारत में बल्कि पूरे विश्व में नेता के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने समाज में दबे-कुचले लोगों, महिलाओं, कामगारों के हक और हकूकों की रक्षा के लिए आवाज उठाई। इसके साथ ही जब भारत के संविधान सभा में मौका मिला तो भारतीय संविधान में उनके हक और हकूकों की रक्षा के लिए व्यवस्था की। इतना ही नहीं, वे अपने जीवन के अंतिम समय में भी समाज को सुधारने के लिए तरह-तरह के जतन और उपाय करते रहे। उनके समाज सुधारक कार्यों में एक कार्य यह भी है कि हिन्दू कोड बिल पर सरकार के समक्ष अपने विचारों को त्यागने की बजाए अपने राजनीतिक जीवन में विधि मंत्री पद को त्याग कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि समाज सुधारने के लिए वह किस प्रकार कटिबद्ध थे।

सभापति महोदय जी, आपके माध्यम से मेरी सरकार से मांग है कि एक युगपुरुष, एक फिलॉसफर, एक लेखक, एक अर्थशास्त्री तथा एक समाज सुधारक और करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र बन चुके बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस 6 दिसम्बर को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग आपके माध्यम से करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।